दिनांक 01 दिसम्बर 2021

महिमा सोनी विश्वविद्यालय प्रावीण्यता सूची में प्रथम पत्रकारिता विभाग की महिमा ने लहराया सफलता का परचम दिग्विजय महाविद्यालय को किया गौरवान्वित

राजनांदगांव/ शासकीय दिग्विजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव के पत्रकारिता विभाग के सत्र 2017- 2020 की छात्रा महिमा सोनी ने बैचलर ऑफ आर्ट्स (मास कम्युनिकेशन एन्ड जर्नलिज्म) की परीक्षा में सकल सेमेस्टर में प्रथम प्रयास में कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्विद्यालय, रायपुर में प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान प्राप्त कर सफलता का परचम लहराया है। पत्रकारिता विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. बी. एन. जागृत ने बताया कि महिमा ने 80% अंक हासिल कर प्रथम प्रावीण्यता प्राप्त की है। ज्ञात हो कि दिग्विजय महाविद्यालय में पत्रकारिता विभाग प्रारंभ होने के पश्चात महिमा महाविद्यालय की पहली छात्रा है जिसने विश्वविद्यालय की प्रावीण्यता सूची में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। महिमा अध्ययन के साथ-साथ विभिन्न सांस्कृतिक एवं बौद्धिक गतिविधियों में सक्रिय रहते हुए भाषण, वादविवाद, निबंध, कविता लेखन, नृत्य, नाटक, युवा संसद आदि स्पर्धाओं में भी स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुकी हैं। महिमा फोटोग्राफी में भी खासी दिलचस्पी रखती है। समाजसेवा में भी महिमा सक्रिय रहती हैं। दिग्विजय महाविद्यालय से पत्रकारिता में स्नातक करने के पश्चात वर्तमान में महिमा स्कूल ऑफ रूलर मैनेजमेंट, किट यूनिवर्सिटी, भुवनेश्वर से रूलर मैनेजमेंट विषय मे स्नातकोत्तर कर रहीं हैं। इनके पिता गिरधारी लाल सोनी और माता सुनीता सोनी ने महिमा को सदैव आगे बढ़ने हेतु प्रेरित किया। महिमा अपनी सफलता का श्रेय अपने कठिन परिश्रम के साथ-साथ माता-पिता और गुरुजनों के सहयोग को देतीं हैं। महिमा की सफलता पर दिग्विजय महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. बी. एन. मेश्राम, पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ. बी. एन. जागृत,विभागीय प्राध्यापक श्री अमितेश सोनकर,श्रीमती दीक्षा देशपांडे और कु. रेशमी साहू सहित समस्त महाविद्यालय परिवार ने शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

महिमा सोनी विश्वविद्यालय की प्रावीण्यता सूची में प्रथम

राजनांदगांव(दावा)। शासकीय दिग्विजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के पत्रकारिता विभाग के सत्र 2017- 2020 की छात्रा महिमा सोनी ने बैचलर ऑफ आर्ट्स (मास कम्युनिकेशन एन्ड जर्नलिज्म) की परीक्षा में सकल सेमेस्टर में प्रथम प्रयास में कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, रायपुर में प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान प्राप्त कर सफलता का परचम लहराया है।

पत्रकारिता विभाग की महिमा ने लहराया सफलता का परचम

पत्रकारिता विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. बी. एन. जागृत ने बताया कि महिमा ने 80 प्रतिशत अंक हासिल कर प्रथम प्रावीण्यता प्राप्त की है। ज्ञात हो कि दिग्विजय महाविद्यालय में पत्रकारिता विभाग प्रारंभ होने के पश्चात महिमा महाविद्यालय की पहली छात्रा है, जिसने विश्वविद्यालय की प्रावीण्यता सूची में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। महिमा अध्ययन के साथ-साथ विभिन्न सांस्कृतिक एवं बौद्धिक गतिविधियों में सक्रिय रहते हुए भाषण, वादविवाद, निबंध, कविता लेखन, नृत्य, नाटक, युवा संसद आदि स्पर्धाओं में भी स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुकी हैं। महिमा फोटोग्राफी में भी खासी दिलचस्पी रखती है। समाजसेवा में भी महिमा सक्रिय रहती हैं। दिग्विजय महाविद्यालय से पत्रकारिता में स्नातक करने के पश्चात वर्तमान में महिमा स्कूल ऑफ रूलर मैनेजमेंट, किट यूनिवर्सिटी, भुवनेश्वर से रूलर मैनेजमेंट विषय मे स्नातकोत्तर कर रहीं हैं। उनके पिता गिरधारी लाल सोनी और माता सुनीता सोनी ने महिमा को सदैव आगे बढ़ने हेतु प्रेरित किया। महिमा अपनी सफलता का श्रेय अपने कठिन परिश्रम के साथ-साथ माता-पिता और गुरुजनों के सहयोग को देतीं हैं। महिमा की सफलता पर दिग्विजय महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. बी.एन. मेश्राम, पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ. बी.एन. जागृत, प्राध्यापक अमितेश सोनकर, दीक्षा देशपांडे और कु. रेशमी साहू सहित महाविद्यालय परिवार ने शुभकामनाएं दी हैं।

महिमा सोनी विश्वविद्यालय प्रावीण्यता सूची में प्रथम

पत्रकारिता विभाग की महिमा ने लहराया सफलता का परचम

राजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव के पत्रकारिता विभाग के सत्र 2017- 2020 की छात्रा महिमा सोनी ने बैचलर ऑफ आर्ट्स (मास कम्युनिकेशन एन्ड जर्नलिज्म) की परीक्षा में सकल सेमेस्टर में प्रथम प्रयास में कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्विद्यालय, रायपुर में प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान प्राप्त कर सफलता का परचम लहराया है। पत्रकारिता विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. बी. एन. जागृत ने बताया कि महिमा ने 80% अंक हासिल कर प्रथम प्रावीण्यता प्राप्त की है। ज्ञात हो कि दिग्विजय महाविद्यालय में पत्रकारिता विभाग प्रारंभ होने के पश्चात महिमा महाविद्यालय की पहली छात्रा है जिसने विश्वविद्यालय की प्रावीण्यता सूची में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। महिमा अध्ययन के साथ-साथ विभिन्न सांस्कृतिक एवं बौद्धिक गतिविधियों में सक्रिय रहते हुए भाषण, वादविवाद, निबंध, कविता लेखन, नृत्य, नाटक, युवा संसद आदि स्पर्धाओं में भी स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुकी हैं। महिमा फोटोग्राफी में भी खासी दिलचस्पी रखती है। समाजसेवा में भी महिमा सक्रिय रहती हैं। दिग्विजय महाविद्यालय से पत्रकारिता में स्नातक करने के पश्चात वर्तमान में महिमा स्कूल ऑफ रूलर मैनेजमेंट, किट यूनिवर्सिटी, भुवनेश्वर से रूलर मैनेजमेंट विषय मे स्नातकोत्तर कर रहीं हैं। इनके पिता गिरधारी लाल सोनी और माता सुनीता सोनी ने महिमा को सदैव आगे बढ़ने हेतु प्रेरित किया। महिमा अपनी सफलता का श्रेय अपने कठिन परिश्रम के साथ-साथ माता-पिता और गुरुजनों के सहयोग को देतीं हैं। महिमा की सफलता पर दिग्विजय महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. बी. एन. मेश्राम, पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ. बी. एन. जागृत,विभागीय प्राध्यापक श्री अमितेश सोनकर,श्रीमती दीक्षा देशपांडे और कु. रेशमी साहू सहित समस्त महाविद्यालय परिवार ने शुभकामनाएं प्रेषितकी हैं।

■ दिग्विजय महाविद्यालय को किया गौरवान्वित

न्यूज गैलरी

मास कम्युनिकेशन एंड जर्नलिज्म की परीक्षा में महिमा अव्वल

राजनांदगांव। दिग्विजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के पत्रकारिता विभाग के सत्र 2017- 2020 की छात्रा महिमा सोनी ने वैचलर आफ आर्ट्स(मास कम्युनिकेशन एंड जर्नलिज्म) की परीक्षा में सकल सेमेस्टर में प्रथम प्रयास में कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्विद्यालय रायपुर में प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान प्राप्त कर सफलता का परचम लहराया है। पत्रकारिता विभाग की विभागाध्यक्ष डा.वीएन जागृत ने वताया कि महिमा ने 80 फीसद अंक हासिल कर प्रथम प्रावीणयता प्राप्त की है। ज्ञात हो कि दिग्विजय महाविद्यालय में पत्रकारिता विभाग प्रारंभ होने के पश्चात महिमा महाविद्यालय की पहली छात्रा है जिसने विश्वविद्यालय की प्रावीणयता सूची में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। महिमा अध्ययन के साथ-साथ विभिन्न सांस्कृतिक एवं वौद्धिक गतिविधियों में सक्रिय रहते हुए भाषण, वाद-विवाद, निबंध, कविता लेखन, नृत्य, नाटक, युवा संसद आदि स्पर्धाओं में भी स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुकी है। महिमा फोटोग्राफी में भी खासी दिलचस्पी रखती है। दिग्विजय महाविद्यालय से पत्रकारिता में स्नातक करने के पश्चात वर्तमान में महिमा स्कूल आफ रूलर मैनेजमेंट, किट यूनिवर्सिटी, भुवनेश्वर से रूलर मैनेजमेंट विषय में स्नातकोत्तर कर रही है। -नप्र

महिमा सोनी
● फाइल फोटो

दिनांक 03 जनवरी 2022

एक्सपोज़ इन डिजिटल लिटरेसी पर हुई चर्चा
शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय पत्रकारिता विभाग द्वारा अतिथि व्याख्यान का आयोजन

राजनांदगांव. शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर के निर्देशन एवं विभागाध्यक्ष डॉ.बी.एन.जागृत के मार्ग दर्शन में 'मीडिया साक्षरता' विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन हुआ जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में पूर्णिमा तिवारी उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम के प्रारंभ में प्राचार्य डॉ.के.एल. टांडेकर ने अपने उद्बोधन में कहा कि शासकीय दिग्जिवय महाविद्यालय में कई छात्रों ने पत्रकारिता की शिक्षा प्राप्त की और उन्होंने अपनी क्षमता का विकास करते हुए अपना मुकाम हासिल किया है। पत्रकारिता के क्षेत्र में बहुत कुछ सिखने की जरूरत हमेशा रहती है। उसी तारतम्य में आज का विषय 'मीडिया साक्षरता' के लिए विद्यार्थियों के साथ ही सभी के लिए अत्यन्त आवश्यक है।

डॉ.बी.एन.जागृत ने बताया कि मीडिया का क्षेत्र व्यापक है आप हर क्षेत्र में कार्य कर सकते है वर्तमान दौर डिजीटल मीडिया का है इसमें कार्य करने के लिए बहुत ही सजकता और सूझबूझ की जरूरत है। जिसका सभी को ध्यान रखना चाहिए।

मुख्य वक्ता पूर्णिमा तिवारी ने 'मीडिया साक्षरता' विषय के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की उन्होंने डिजीटल मीडिया को समाज, संस्कृति पर होने वाले प्रभाव एवं दूष्प्रभाव के बारे में बताया। साथ ही डिजिटल माध्यम से वर्तमान और भविष्य में होने वाले बदलाव की संभावना से छात्रों को अवगत कराया गया। साथ ही सोशल मीडिया वेबसाइट (इस्टाग्राम, वाट्सअप, फेसबुक) का उपयोग करते समय सावधानी एवं सतर्कता के साथ ही साइबर अपराधों के संबंध में फेक वीडियों, फोटो एवं अफवाहों से बचने के लिए जानकारी दी एवं विद्यार्थियों को साइबर अपराध होने पर कानूनी सहायता के संबंध में भी बताया।

व्याख्यान के दौरान साइबर अपराध एवं मीडिया साक्षरता के विषय में विद्यार्थियों ने अपनी जिज्ञासा व्यक्त की जिसे उन्होंने निराकृत किया। इस अवसर पर विभागीय शिक्षक अमितेश सोनकर, रेशमी साहू, एवं लोकेश शर्मा सहित बड़ी संख्या में छात्र -छात्राएं उपस्थित रहे।

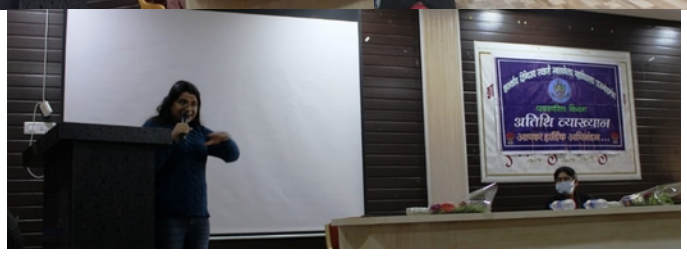

पत्रकारिता विभाग द्वारा अतिथि व्याख्यान का आयोजन

राजनांदगांव. शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर के निर्देशन एवं विभागाध्यक्ष डॉ. बीएन जागृत के मार्ग दर्शन में 'मीडिया साक्षरता' विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन हुआ जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में पूर्णिमा तिवारी उपस्थित रहीं. कार्यक्रम के प्रारंभ में प्राचार्य ने अपने उद्बोधन में कहा कि शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय में कई छात्रों ने पत्रकारिता की शिक्षा प्राप्त की और उन्होंने अपनी क्षमता का विकास करते हुए अपना मुकाम हासिल किया है. पत्रकारिता के क्षेत्र में बहुत कुछ सिखने की जरूरत हमेशा रहती है. उसी तारतम्य में आज का विषय 'मीडिया साक्षरता' के लिए विद्यार्थियों के साथ ही सभी के लिए अत्यन्त आवश्यक है. डॉ. बीएनजागृत ने बताया कि मीडिया का क्षेत्र व्यापक है आप हर क्षेत्र में कार्य कर सकते है वर्तमान दौर डिजीटल मीडिया का है.

एक्सपोज़ इन डिजिटल लिटरेसी पर चर्चा

दिग्विजय कालेज में अतिथि व्याख्यान

राजनांदगांव (छत्तीसगढ़ झलक)। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर के निर्देशन एवं विभागाध्यक्ष डॉ. बीएन जागृत के मार्गदर्शन में 'मीडिया साक्षरता' विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन हुआ जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में पूर्णिमा तिवारी उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम के प्रारंभ में प्राचार्य डॉ. टांडेकर ने कहा कि शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय में कई छात्रों ने पत्रकारिता की शिक्षा प्राप्त की और उन्होंने अपनी क्षमता का विकास करते हुए अपना मुकाम हासिल किया है। पत्रकारिता के क्षेत्र में बहुत कुछ सिखने की जरूरत हमेशा रहती है। उसी तारतम्य में आज का विषय 'मीडिया साक्षरता' के लिए विद्यार्थियों के साथ ही सभी के लिए अत्यन्त आवश्यक है। डॉ. जागृत ने बताया कि मीडिया का क्षेत्र व्यापक है। आप हर क्षेत्र में कार्य कर सकते हैं। वर्तमान दौर डिजीटल मीडिया का है। इसमें कार्य करने के लिए बहुत ही सजकता और सूझबूझ की जरूरत है, जिसका सभी को ध्यान रखना चाहिए।

मुख्य वक्ता पूर्णिमा तिवारी ने 'मीडिया साक्षरता' विषय के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। उन्होंने डिजीटल मीडिया को समाज, संस्कृति पर होने वाले प्रभाव एवं दुष्प्रभाव के बारे में बताया। साथ ही डिजिटल माध्यम से वर्तमान और भविष्य में होने वाले बदलाव की संभावना से छात्रों को अवगत कराया गया। साथ ही सोशल मीडिया वेबसाइट (इंस्टाग्राम, वाट्सअप, फेसबुक) का उपयोग करते समय सावधानी एवं सतर्कता के साथ ही साइबर अपराधों के संबंध में फेक वीडियो, फोटो एवं अफवाहों से बचने के लिए जानकारी दी एवं विद्यार्थियों को साइबर अपराध होने पर कानूनी सहायता के संबंध में भी बताया। व्याख्यान के दौरान साइबर अपराध एवं मीडिया साक्षरता के विषय में विद्यार्थियों ने अपनी जिज्ञासा व्यक्त की, जिसे उन्होंने निराकृत किया। इस अवसर पर विभागीय शिक्षक अमितेश सोनकर, रेशमी साहू, एवं लोकेश शर्मा सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

एक्सपोज़ इन डिजिटल लिटरेसी पर चर्चा

राजनांदगांव (दीप जागृति)। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के.एल. टांडेकर के निर्देशन एवं विभागाध्यक्ष डॉ. बीएन जागृत के मार्गदर्शन में 'मीडिया साक्षरता' विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन हुआ जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में पूर्णिमा तिवारी उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम के प्रारंभ में प्राचार्य डॉ. टांडेकर ने कहा कि शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय में कई छात्रों ने पत्रकारिता की शिक्षा प्राप्त की और उन्होंने अपनी क्षमता का विकास करते हुए अपना मुकाम हासिल किया है। पत्रकारिता के क्षेत्र में बहुत कुछ सिखने की जरूरत हमेशा रहती है। उसी तारतम्य में आज का विषय 'मीडिया साक्षरता' के लिए विद्यार्थियों के साथ ही सभी के लिए अत्यन्त आवश्यक है। डॉ. जागृत ने बताया कि मीडिया का क्षेत्र व्यापक है। आप हर क्षेत्र में कार्य कर सकते हैं। वर्तमान दौर डिजीटल मीडिया का है। इसमें कार्य करने के लिए बहुत ही सजकता और सूझबूझ की जरूरत है, जिसका सभी को ध्यान रखना चाहिए।

मुख्य वक्ता पूर्णिमा तिवारी ने 'मीडिया साक्षरता' विषय के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। उन्होंने डिजीटल मीडिया को समाज, संस्कृति पर होने वाले प्रभाव एवं दुष्प्रभाव के बारे में बताया। साथ ही डिजिटल माध्यम से वर्तमान और भविष्य में होने वाले बदलाव की संभावना से छात्रों को अवगत कराया गया। साथ ही सोशल मीडिया वेबसाइट (इंस्टाग्राम, वाट्सअप, फेसबुक) का उपयोग करते समय सावधानी एवं सतर्कता के साथ ही साइबर अपराधों के संबंध में फेक वीडियो, फोटो एवं अफवाहों से बचने के लिए जानकारी दी एवं विद्यार्थियों को साइबर अपराध होने पर कानूनी सहायता के संबंध में भी बताया। व्याख्यान के दौरान साइबर अपराध एवं मीडिया साक्षरता के विषय में विद्यार्थियों ने अपनी जिज्ञासा व्यक्त की, जिसे उन्होंने निराकृत किया। इस अवसर पर विभागीय शिक्षक अमितेश सोनकर, रेशमी साहू, एवं लोकेश शर्मा सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

एक्सपोज़ इन डिजिटल लिटरेसी पर चर्चा

राजनांदगांव (दावा)। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के.एल. टांडेकर के निर्देशन एवं विभागाध्यक्ष डॉ. बीएन जागृत के मार्गदर्शन में 'मीडिया साक्षरता' विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन हुआ जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में पूर्णिमा तिवारी उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम के प्रारंभ में प्राचार्य डॉ. टांडेकर ने कहा कि शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय में कई छात्रों ने पत्रकारिता की शिक्षा प्राप्त की और उन्होंने अपनी क्षमता का विकास करते हुए अपना मुकाम हासिल किया है। पत्रकारिता के क्षेत्र में बहुत कुछ सिखने की जरूरत हमेशा रहती है। उसी तारतम्य में आज का विषय 'मीडिया साक्षरता' के लिए विद्यार्थियों के साथ ही सभी के लिए अत्यन्त आवश्यक है। डॉ. जागृत ने बताया कि मीडिया का क्षेत्र व्यापक है। आप हर क्षेत्र में कार्य कर सकते हैं। वर्तमान दौर डिजीटल मीडिया का है। इसमें कार्य करने के लिए बहुत ही सजकता और सूझबूझ की जरूरत है, जिसका सभी को ध्यान रखना चाहिए।

मुख्य वक्ता पूर्णिमा तिवारी ने 'मीडिया साक्षरता' विषय के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। उन्होंने डिजीटल मीडिया को समाज, संस्कृति पर होने वाले प्रभाव एवं दुष्प्रभाव के बारे में बताया। साथ ही डिजिटल माध्यम से वर्तमान और भविष्य में होने वाले बदलाव की संभावना से छात्रों को अवगत कराया गया। साथ ही सोशल मीडिया वेबसाइट (इंस्टाग्राम, वाट्सअप, फेसबुक) का उपयोग करते समय सावधानी एवं सतर्कता के साथ ही साइबर अपराधों के संबंध में फेक वीडियो, फोटो एवं अफ्वाहों से बचने के लिए जानकारी दी एवं विद्यार्थियों को साइबर अपराध होने पर कानूनी सहायता के संबंध में भी बताया। व्याख्यान के दौरान साइबर अपराध एवं मीडिया साक्षरता के विषय में विद्यार्थियों ने अपनी जिज्ञासा व्यक्त की, जिसे उन्होंने निराकृत किया। इस अवसर पर विभागीय शिक्षक अमितेश सोनकर, रेशमी साहू, एवं लोकेश शर्मा सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

एक्सपोज इन डिजिटल लिटरेसी पर चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजनांदगांव

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर के निर्देशन एवं विभागाध्यक्ष डॉ. बीएन जागृत के मार्गदर्शन में मीडिया साक्षरता विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में पूर्णिमा तिवारी उपस्थित थी।

कार्यक्रम के प्रारंभ प्राचार्य डॉ. टांडेकर ने कहा कि शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय में कई छात्रो ने पत्रकारिता की शिक्षा प्राप्त की और उन्होंने अपनी क्षमता का विकास करते अपना मुकाम हासिल किया है। पत्रकारिता के क्षेत्र में बहुत कुछ सीखने की जरूरत हमेशा रहती है। उसी तारतम्य में आज का विषय मीडिया साक्षरता के लिए विद्यार्थियों के साथ ही सभी के लिए अत्यन्त आवश्यक है। डॉ. बीएन जागृत ने बताया कि मीडिया का क्षेत्र व्यापक है। आप हर क्षेत्र में कार्य कर सकते हैं। वर्तमान दौर डिजीटल मीडिया का है। इसमें कार्य करने के लिए बहुत ही सजकता और सूझबूझ की जरूरत है। जिसका सभी को ध्यान रखना चाहिए। मुख्य वक्ता पूर्णिमा तिवारी ने मीडिया साक्षरता विषय के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। उन्होंने डिजीटल मीडिया को समाज, संस्कृति पर होने वाले प्रभाव एवं दुष्प्रभाव के बारे में बताया। साथ ही डिजिटल माध्यम से वर्तमान और भविष्य में होने वाले बदलाव की संभावना से छात्रों को अवगत कराया। साथ ही सोशल मीडिया वेबसाइट (इंस्टाग्राम, वाट्सअप, फेसबुक) का उपयोग करते समय सावधानी एवं सतर्कता के साथ ही साइबर अपराधों के संबंध में फेक वीडियो, फोटो एवं अफवाहों से बचने जानकारी दी एवं विद्यार्थियों को साइबर अपराध होने पर कानूनी सहायता के संबंध में भी बताया। व्याख्यान के दौरान साइबर अपराध एवं मीडिया साक्षरता के विषय में विद्यार्थियों ने अपनी जिज्ञासा व्यक्त की, जिसे उन्होंने निराकृत किया। इस अवसर पर विभागीय शिक्षक अमितेश सोनकर, रेशमी साहू एवं लोकेश शर्मा सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

दिनांक 14 जनवरी 2022

महाविद्यालय में विश्व हिन्दी दिवस कार्यक्रम आयोजित

राजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव के प्राचार्य डॉ के एल टाण्डेकर के निर्देशन एवं पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ बी एन जागृत के मार्गदर्शन में आज विश्व हिन्दी दिवस के अवसर पर "हिन्दी का वैश्विक स्वरूप और व्यावहारिक हिन्दी" के संदर्भ में एक दिवसीय विचार गोष्ठी का आयोजन हिन्दी एवं पत्रकारिता विभाग के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के अध्यक्ष प्राचार्य के0 एल 0 टाण्डेकर एवं विशेष अतिथि डॉ. अंजना ठाकुर तथा डॉ. अनीता शंकर थे।

कार्यक्रम के संरक्षक प्राचार्य डॉ.के.एल.टाण्डेकर ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि विश्व हिन्दी दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य हिन्दी भाषा का विश्व स्तर पर मान्यता के लिए प्रयास करना है। साथ ही पूरे विश्व में हिन्दी का अधिक से अधिक प्रचार - प्रसार करें ताकि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी भाषा को प्रतिस्थापित कर सकें प्रत्येक भारतीय के लिए यह गौरव का विषय है, साथ ही यह दायित्व है कि हिन्दी बोलने, सुनने एवं उसका संचार अलग - अलग क्षेत्रों में करें. हमारे देश में विभिन्न बोलियां बोली जाती हैं लेकिन जितना अधिक प्रयोग आज हिन्दी भाषा का है किसी अन्य भाषा का नहीं है. हिन्दी भाषा का मान , सम्मान व स्वाभिमान बना रहे यह प्रत्येक भारतीयों का नैतिक कर्तव्य है।

पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ. बी एन जागृत ने विश्व हिन्दी दिवस को मनाने का उद्देश्य को बताते हुए कहा कि 10 जनवरी 1975 में महाराष्ट्र नागपुर में प्रथम वैश्विक हिन्दी सम्मेलन हुआ था जिसमें 30 देशों के 122 प्रतिनिधि सम्मिलित हुए थे। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने इस सम्मेलन का उद्घाटन किया था। सन् 2006 में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ0 मनमोहन सिंह ने प्रतिवर्ष 10 जनवरी को विश्व हिन्दी दिवस मनाने की घोषणा की। तब से प्रतिवर्ष 10 जनवरी को विश्व हिन्दी दिवस मनाया जाता है। जिसका उद्देश्य हिन्दी भाषा को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाना है। लेकिन एक सच्चाई यह भी है कि हिन्दी को अपने ही घर में उपेक्षा झेलनी पडती है. संयुक्त राष्ट्र संघ की 6 अधिकारिक भाषाएं हैं, उनमें हिन्दी भाषा नहीं है। डॉ. जागृत ने कहा कि भारतीय जो विदेशों में निवासरत है उनका भी कर्तव्य है कि हिन्दी भाषा का उन क्षेत्रों में प्रसार करें।

अर्थशास्त्र विभाग की प्राध्यापक डॉ. सुमिता श्रीवास्तव ने कहा कि भाषा सिर्फ ज्ञान का माध्यम नहीं वह संपर्क का भी माध्यम है किसी भी भाषा के प्रचार - प्रसार के लिए न केवल साहित्य का बल्कि उस भाषा का सम्पूर्ण ज्ञान होना भी जरुरी है। उन्होंने हिन्दी में रोजगार के अवसर को बताते हुए कहा कि एक अनुवादक के रुप में भी हमें अलग - अलग भाषाओं का ज्ञान होना जरुरी है.

प्रो डॉ. चंदन सोनी ने हरिवंश राय बच्चन साहब एवं गुलजार साहब की कविताओं का सस्वर वाचन किया साथ ही अपना मौलिक कविता का पाठ करते हुए हिन्दी की महत्ता को बताया. डॉ0 जेनामणी ने कहा कि किसी भी भाषा को सीखने के लिए आपको उस भाषा से प्रेम होना चाहिए। डॉ0 अनीता शंकर एवं क्रीडा अधिकारी अरुण चौधरी ने व्यवहारिक हिन्दी विषय पर अपने विचार व्यक्त किये।

कार्यक्रम का संचालन डॉ0 नीलम तिवारी ने किया एवं कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करते हुए हिन्दी विभाग के डॉ0 गायत्री साहू, डा0 भवानी, डॉ0 कौशिक बीसी, पत्रकारिता विभाग से श्री अमितेश सोनकर, रेशमी साहू, लोकेश शर्मा तथा महाविद्यालय के प्राध्यापकगण उपस्थित थे.

दैनिक दावा | शहर की खबरें...

दिग्विजय कालेज में विश्व हिन्दी दिवस मना

दिग्विजय कालेज में विश्व हिन्दी दिवस मना

हिंदी का प्रचार–प्रसार करने दिया जोर

राजनांदगांव(वि.)। दिग्विजय महाविद्यालय विश्व हिंदी दिवस पर हिंदी का वैश्विक स्वरूप और व्यावहारिक हिंदी पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। प्राचार्य डा.केएल टांडेकर ने कहा कि विश्व हिन्दी दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य हिंदी भाषा का विश्व स्तर पर मान्यता के लिए प्रयास करना है। साथ ही पूरे विश्व में हिन्दी का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करें। ताकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी भाषा को प्रतिस्थापित कर सकें प्रत्येक भारतीय के लिए यह गौरव का विषय है। साथ ही यह दायित्व है कि हिंदी बोलने, सुनने एवं उसका संचार अलग-अलग क्षेत्रों में करें। हमारे देश में विभिन्न बोलियां बोली जाती हैं। लेकिन जितना अधिक प्रयोग आज हिंदी भाषा का है किसी अन्य भाषा का नहीं है। हिंदी भाषा का मान, सम्मान व स्वाभिमान बना रहे यह प्रत्येक भारतीयों का नैतिक कर्तव्य है। पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डा.बीएन जागृत ने विश्व हिंदी दिवस को मनाने का उद्देश्य को बताते हुए कहा कि 10 जनवरी 1975 में महाराष्ट्र नागपुर में प्रथम वैश्विक हिंदी सम्मेलन हुआ था। जिसमें 30 देशों के 122 प्रतिनिधि सम्मिलित हुए थे। तत्कालिन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने इस सम्मेलन का उद्घाटन किया था। सन 2006 में पूर्व प्रधानमंत्री डा.मनमोहन सिंह ने प्रतिवर्ष 10 जनवरी को विश्व हिन्दी दिवस मनाने की घोषणा की। तब से प्रतिवर्ष 10 जनवरी को विश्व हिन्दी दिवस मनाया जाता है। जिसका उद्देश्य हिंदी भाषा को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाना है। लेकिन एक सच्चाई यह भी है कि हिंदी को अपने ही घर में उपेक्षा झेलनी पड़ती है। संयुक्त राष्ट्र संघ की छह अधिकारिक भाषाएं हैं। उनमें हिंदी भाषा नहीं है। डा.जागृत ने कहा कि भारतीय जो विदेशों में निवासरत हैं उनका भी कर्तव्य है कि हिंदी भाषा का उन क्षेत्रों में प्रसार करें।

दिग्विजय कालेज में विश्व हिंदी दिवस मनाया गया। ● आयोजन समिति

भाषा संपर्क का माध्यम

अर्थशास्त्र विभाग की प्राध्यापक डा.सुमिता श्रीवास्तव ने कहा कि भाषा सिर्फ ज्ञान का माध्यम नहीं वह संपर्क का भी माध्यम है। किसी भी भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए न केवल साहित्य का बल्कि उस भाषा का सम्पूर्ण ज्ञान होना भी जरुरी है। उन्होंने हिंदी में रोजगार के अवसर को बताते हुए कहा कि एक अनुवादक के रुप में भी हमें अलग-अलग भाषाओं का ज्ञान होना जरूरी है। डा.चंदन सोनी ने हरिवंश राय बच्चन साहब एवं गुलजार साहब की कविताओं का सस्वर वाचन किया। साथ ही अपना मौलिक कविता का पाठ करते हुए हिंदी की महत्ता को बताया। डा.जेनामणी ने कहा कि किसी भी भाषा को सीखने के लिए आपको उस भाषा से प्रेम होना चाहिए।

महाविद्यालय में विश्व हिन्दी दिवस मना

● नवभारत रिपोर्टर ✤ राजनांदगांव.
www.navbharat.org

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव के प्राचार्य डॉ. केएल टाण्डेकर के निर्देशन एवं पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ. बीएन जागृत के मार्गदर्शन में आज विश्व हिन्दी दिवस के अवसर पर गिहन्दी का वैश्विक स्वरु प और व्यावहारिक हिन्दी ज् के संदर्भ में एक दिवसीय विचार गोष्ठी का आयोजन हिन्दी एवं पत्रकारिता विभाग के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ. कार्यक्रम के अध्यक्ष प्राचार्य डॉ. केएल टाण्डेकर एवं विशेष अतिथि डॉ. अंजना ठाकुर तथा डॉ. अनीता शंकर थे.

कार्यक्रम के संरक्षक प्राचार्य डॉ.केएल टाण्डेकर ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि विश्व हिन्दी दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य हिन्दी भाषा का विश्व स्तर पर मान्यता के लिए प्रयास करना है. साथ ही पूरे विश्व में हिन्दी का अधिक से अधिक प्रचार - प्रसार करें ताकि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी भाषा को प्रतिस्थापित कर सकें प्रत्येक भारतीय के लिए, यह गौरव का विषय है.

पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ. बीएन जागृत ने विश्व हिन्दी दिवस को मनाने का उद्देश्य को बताते हुए कहा कि 10 जनवरी 1975 में महाराष्ट्र नागपुर में प्रथम वैश्विक हिन्दी सम्मेलन हुआ था जिसमें 30 देशों के 122 प्रतिनिधि सम्मिलित हुए थे. तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने इस सम्मेलन का उद्घाटन किया था. सन् 2006 में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ० मनमोहन सिंह ने प्रतिवर्ष 10 जनवरी को विश्व हिन्दी दिवस मनाने की घोषणा की. तब से प्रतिवर्ष 10 जनवरी को विश्व हिन्दी दिवस मनाया जाता है. डॉ. जागृत ने कहा कि भारतीय जो विदेशों में निवासरत है.

दिनांक 31 जनवरी 2022

विद्यार्थीयों की महाविद्यालय के विकास में अहम भूमिका होती है : प्राचार्य डॉ. टांडेकर

पत्रकारिता विभाग द्वारा वर्चुअल एलुमनी मीटिंग का आयोजन

राजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर के निर्देशन में पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. बी.एन. जागृत के मार्गदर्शन में वर्चुअल भूतपूर्व छात्र सम्मेलन का आयोजन किया गया। पत्रकारिता विभाग के भूतपूर्व छात्रों ने भाग लिया जिसमें महाविद्यालय एवं पत्रकारिता विभाग में अपने द्वारा बिताए गए स्वर्णिम पलों के अनुभव को साझा किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर ने कहा कि महाविद्यालय में अपनी शिक्षा पूर्ण करने के उपरांत आज विद्यार्थी मीडिया के विभिन्न क्षेत्रों में अपना योगदान दे रहे हैं। यह महाविद्यालय के लिए गर्व की बात है। विद्यार्थीयों की महाविद्यालय के विकास में भी अहम भूमिका होती है विद्यार्थी हमारे देश के भविष्य है आगे चलकर यह सभी विद्यार्थी अपने क्षेत्र में आगे बढ़ कर समाज और देश के बेहतर विकास सुनिश्चित करेंगे। प्राचार्य डॉ. टांडेकर ने कहा कि महाविद्यालय के विकास के लिए भूतपूर्व छात्रों को प्रयास करते रहना चाहिए जिससे उनका महाविद्यालय और विकास करें। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. जागृत ने अपने उद्बोधन में सभी भूतपूर्व छात्रों

का स्वागत कर धन्यवाद दिया एवं अपने कार्यों पर ज्यादा से ज्यादा तरक्की कर अपने कार्य लक्षय की प्राप्ति करने का आशीर्वाद प्रदान किया।

प्राध्यापक अमितेश सोनकर ने कहा कि आप सभी विद्यार्थी हमारे देश के भविष्य हैं। आप सभी महाविद्यालय में अध्ययन करते हुए मीडिया को जाना है आशा है कि आपके हर क्षेत्र में यह अध्ययन सहायक सिद्ध हो।
भूतपूर्व छात्र वीआईपी न्यूज़ चैनल ब्यूरो चीफ पंकज शर्मा ने अपनी पढ़ाई जीवन के बारे में जानकारी देते हुए पत्रकारिता के हर एक पहलू पर अनुभव साझा किए एवं वर्तमान में अध्ययनरत छात्रों को भी पत्रकारिता के क्षेत्र में मोटिवेट किया एवं स्टूडियो के कार्यप्रणाली को ऑनलाइन माध्यम से दिखाया। वही रोहित झा ने पत्रकारिता की पढ़ाई के साथ-साथ अन्य क्रियाकलापों में भाग लेने का सुझाव दिया तथा उसने अपने दृढ़ निश्चय को कैसे प्राप्त किया और कितनी कठिनाई होती हैं उनके बारे में जानकारी दी।

कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय 2020-21 में प्रवीण सूची में नाम स्थापित करने वाले छात्रा महिमा सोनी ने कहा कि मुझे मेरे करियर के बारे में क्लियर नहीं थी जब मैं पत्रकारिता विभाग में प्रवेश ली तो मुझे आगे क्या करना है यह स्पष्ट हुआ। वही हरीश सोनवानी, पूजा डेकाटे, प्रफुल्ल तिवारी ने अपना अनुभव साझा किया। प्राध्यापक लोकेश शर्मा भूतपूर्व छात्र के साथ-साथ वर्तमान में सहायक अध्यापक के पद पर कार्यरत हैं अपने अनुभव को साझा किया साथ ही अब निश्चित ही वर्तमान में अध्ययन कर रहे छात्र-छात्राओं को पूरी तरह से महाविद्यालय में सुविधा देने की कोशिश की जा रही है।

कार्यक्रम के अंत में सहायक प्राध्यापक रेशमी साहू ने डॉ. के. एल. टांडेकर, विभागाध्यक्ष डॉ. बी.एन. जागृत सहयोगी प्राध्यापक अमितेश सोनकर, लोकेश शर्मा एवं सभी भूतपूर्व विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया तथा सभी विद्यार्थियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी तथा भविष्य में ऐसे कार्यक्रम में विद्यार्थियों के सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की।

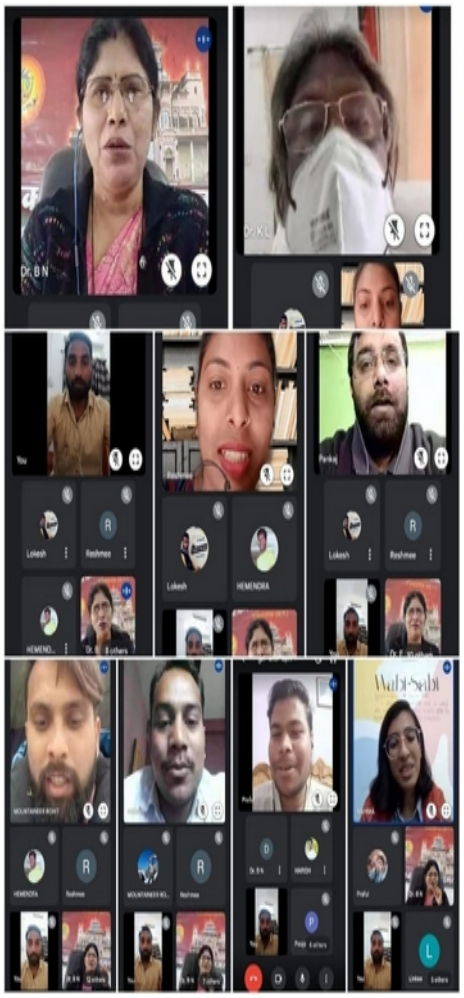

विद्यार्थियों की महाविद्यालय के विकास में भी अहम भूमिका होती है- प्राचार्य डॉ. टांडेकर

भूतपूर्व छात्रों के प्रयास से महाविद्यालय का होगा विकास

पत्रकारिता विभाग द्वारा वर्चुअल एलुमनी मीटिंग का आयोजन

राजनांदगांव (दीप जागृति)। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर के निर्देशन में पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. बी.एन. जागृत के मार्गदर्शन में वर्चुअल भूतपूर्व छात्र सम्मेलन का आयोजन किया गया। पत्रकारिता विभाग के भूतपूर्व छात्रों ने भाग लिया जिसमें महाविद्यालय एवं पत्रकारिता विभाग में अपने द्वारा बिताए गए स्वर्णिम पलों के अनुभव को साझा किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर ने कहा कि महाविद्यालय में अपनी शिक्षा पूर्ण करने के उपरांत आज विद्यार्थी मीडिया के विभिन्न क्षेत्रों में अपना योगदान दे रहे हैं। यह महाविद्यालय के लिए गर्व की बात है। विद्यार्थियों की महाविद्यालय के विकास में भी अहम भूमिका होती है विद्यार्थी हमारे देश के भविष्य है आगे चलकर यह सभी विद्यार्थी अपने क्षेत्र में आगे बढ़ कर समाज और देश के बेहतर विकास सुनिश्चित करेंगे। प्राचार्य डॉ. टांडेकर ने कहा कि महाविद्यालय के विकास के लिए भूतपूर्व छात्रों को प्रयास करते रहना चाहिए जिससे उनका महाविद्यालय और विकास करें। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. जागृत ने अपने उद्बोधन में सभी भूतपूर्व छात्रों का स्वागत कर धन्यवाद दिया एवं अपने कार्यों पर ज्यादा से ज्यादा तरक्की कर अपने कार्य लक्ष्य की प्राप्ति करने का आशीर्वाद प्रदान किया।

प्राध्यापक अमितेश सोनकर ने कहा कि आप सभी विद्यार्थी हमारे देश के भविष्य है। आप सभी महाविद्यालय में अध्ययन करते हुए मीडिया को जाना है आशा है कि आपके हर क्षेत्र में यह अध्ययन सहायक सिद्ध हो।

भूतपूर्व छात्र वीआईपी न्यूज चैनल ब्यूरो चीफ पंकज शर्मा ने अपने पढ़ाई जीवन के बारे में जानकारी देते हुए पत्रकारिता के हर एक पहलू पर अनुभव साझा किए एवं वर्तमान में अध्ययनरत छात्रों को भी पत्रकारिता के क्षेत्र में मोटिवेट किया एवं स्टूडियो के कार्यप्रणाली को ऑनलाइन माध्यम से दिखाया। वहीं रोहित झा ने पत्रकारिता की पढ़ाई के साथ-साथ अन्य क्रियाकलापों में भाग लेने का सुझाव दिया तथा उसने अपने दृढ़ निश्चय को कैसे प्राप्त किया और कितनी कठिनाई होती है उनके बारे में जानकारी दी।

कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय 2020-21 में प्रवीण सूची में नाम स्थापित करने वाले छात्रा महिमा सोनी ने कहा कि मुझे मेरे कैरियर के बारे में क्लियर नहीं थी जब मैं पत्रकारिता विभाग में प्रवेश ली तो मुझे आगे क्या करना है यह स्पष्ट हुआ। वहीं हरीश मोटवानी, पूजा ठेकाटे, प्रफुल्ल तिवारी ने अपना अनुभव साझा किया। प्राध्यापक लोकेश शर्मा भूतपूर्व छात्र के साथ-साथ वर्तमान में सहायक अध्यापक के पद पर कार्यरत है अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा कि जो पहले की अपेक्षा और बहुत से परिवर्तन हो गए हैं अब निश्चित ही वर्तमान में अध्ययन कर रहे छात्र-छात्राओं को पूरी तरह से महाविद्यालय में सुविधा देने की कोशिश की जा रही है।

कार्यक्रम के अंत में सहायक प्राध्यापक रेशमी साहू ने डॉ. के. एल. टांडेकर, विभागाध्यक्ष डॉ. बी.एन. जागृत सहयोगी प्राध्यापक अमितेश सोनकर, लोकेश शर्मा एवं सभी भूतपूर्व विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया तथा सभी विद्यार्थियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी तथा भविष्य में ऐसे कार्यक्रम में विद्यार्थियों के सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की।

दिनांक 01 फरवरी 2022

राजनांदगांव:पत्रकारिता के वर्तमान स्वरूप पर महाविद्यालय में वर्चुअल अंतर विभागीय व्याख्यान का आयोजन

राजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के एल.टाण्डेकर के निर्देशन एवं विभागाध्याय डॉ. बी. एन. जागृत के निर्देशन में पत्रकारिता विभाग में वर्चुअल अंतर विभागीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य वक्ता हिन्दी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शंकरमुनी राय रहें । विषय पर प्रकाश डालते हुए डॉ. राय नें अपने उदबोधन मे कहा कि प्रारंभिक पत्रकारिता की चर्चा करते हुए जेम्स ऑगस्टस हिक्की गजट, का बंगाल गजट प्रकाशित हुआ इसी के आधार पर उदन्त मार्तन्ड का उदय हुआ जो कि पहला हिन्दी समाचार पत्र की जानकारी दी गयी एवं प्रेस काउसिंल ऑफ इंडिया एवं एबीसी (ऑडिट ब्यूरों ऑफ सर्कुलेशन) के बारें में विद्यार्थियों को अवगत कराया।

डॉ. राय ने पत्रकारिता जिसमें प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के साथ साथ सोशल मीडिया की जानकारी दी एवं पत्रकारिता की कार्यप्रणाली में संपादकीय , तकनीकि विभाग एवं विज्ञापन संबंधित जानकारी के बारे में अवगत कराया। डॉ. राय ने कहा कि अच्छे पत्रकार के लिए उसकी कलम सबसे बड़ी ताकत होती है। कलम का सम्मान पत्रकार का दायित्व होता है चुनौतियो को स्वीकार करना ही असल पत्रकारिता है।

उक्त कार्यक्रम में विभाग के प्राध्यापक रेशमी साहू ने आभार व्यक्त किया। इस दौरान विभाग के प्राध्यापक अमितेश सोनकर, लोकेश शर्मा सहित छात्र - छात्राऐं उपस्थित रहे।

दिनांक 03 फरवरी 2022

वेब पत्रकारिता रोजगार का सशक्त माध्यम - डॉ. मोहंती
पत्रकारिता विभाग में ऑनलाईन अतिथि व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन

राजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. एल टाण्डेकर के निर्देशन एवं विभागाध्यक्ष डॉ. बी.एन.जागृत के मार्गदर्शन में पत्रकारिता विभाग द्वारा 03 फरवरी को एक दिवसीय ऑनलाईन अतिथि व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन "वेब पत्रकारिता एवं पत्रकारिता में कैरियर" विषय पर कार्यक्रम का आयोजन संपन्न हुआ। जिसमें मुख्य वक्ता कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय रायपुर छत्तीसगढ से डॉ राजेन्द्र मोहंती सहायक प्राध्यापक उपस्थित रहे।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. टाण्डेकर ने कहा कि वेब पत्रकारिता के विषय में कहा कि भविष्य में इस क्षेत्र का बहुत अधिक महत्व है, पत्रकारिता समाज का दपर्ण है कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को मागदर्शन कर अध्ययन - अध्यापन के अलावा वास्तविकता से जोडना एवं उनके बौधिक विकास करना है।

विभागाध्यक्ष डॉ. जागृत ने कहा कि वर्तमान समय में वेब पत्रकारिता का स्वरुप व्यापक है और पत्रकारिता के विद्यार्थियों को पत्रकारिता के क्षेत्र में रोजगार एवं स्वरोजगार के लिए वेब पत्रकारिता की भूमिका के बारे में जानना जरुरी है ताकी विद्यार्थी इस क्षेत्र में रोजगार सृजन कर सके।

मुख्य अतिथि डॉ. राजेन्द्र मोहंती ने जनसंचार के क्षेत्र प्रिंट, इलेक्टानिक, वेब मीडिया है। वेब पत्रकारिता के क्षेत्र को व्यापक बताते हुए जिस तरह न्यूज पेपर, पत्र -.पत्रिकाओं में समाचारों का लेखन, चयन, प्रकाशन का कार्य होता है। इसी तरह इंटनेट और कम्प्यूटर की मदद से न्यूज वेबसाइट पर समाचारों का लेखन,

चयन, संपादन और प्रकाशन का कार्य होता है, यह कार्य वेब पत्रकारिता कहलाता है। पाठक जो खबरें इंटरनेट की मदद से मोबाइल या कप्यूटर पर पडते है यह वेब पत्रकारिता ही है।

उन्होने आगे बताया कि वर्तमान समय में वेब पत्रकारिता बहुत उभरता हुआ कैरियर है, पत्रकारिता के विद्यार्थियों को इसका महत्व बताते हुए कहा कि अगर आप इस क्षेत्र में रोजगार के लिए विद्यार्थियों को ब्लॉग, वेबसाईट सहित अन्य सोशल मीडिया माध्यमों के संबंध में जानकारी एवं उनके फायदे एवं उनसे होने वाले इकम सोर्स के संबंध में जाकनारी दी । सोशल मीडिया (साइटस फेसबुक यूटयूब एवं टवीटर) के बारे में बताया व फेक न्यूज (झूठी खबर), मीश इन्फोमेशन (गलत सूचना) , एवं डिश इन्फोमेशन (अफवाह) के साथ - साथ एवं ओ टी टी प्लेटफार्म के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी तथा विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का संतोष पूर्व उत्तर दिया गया।

कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए प्राध्यापक रेशमी साहू ने आभार व्यक्त किया। इस दौरान प्राध्यापक अमितेश सोनकर, लोकेश शर्मा सहित पत्रकारिता के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

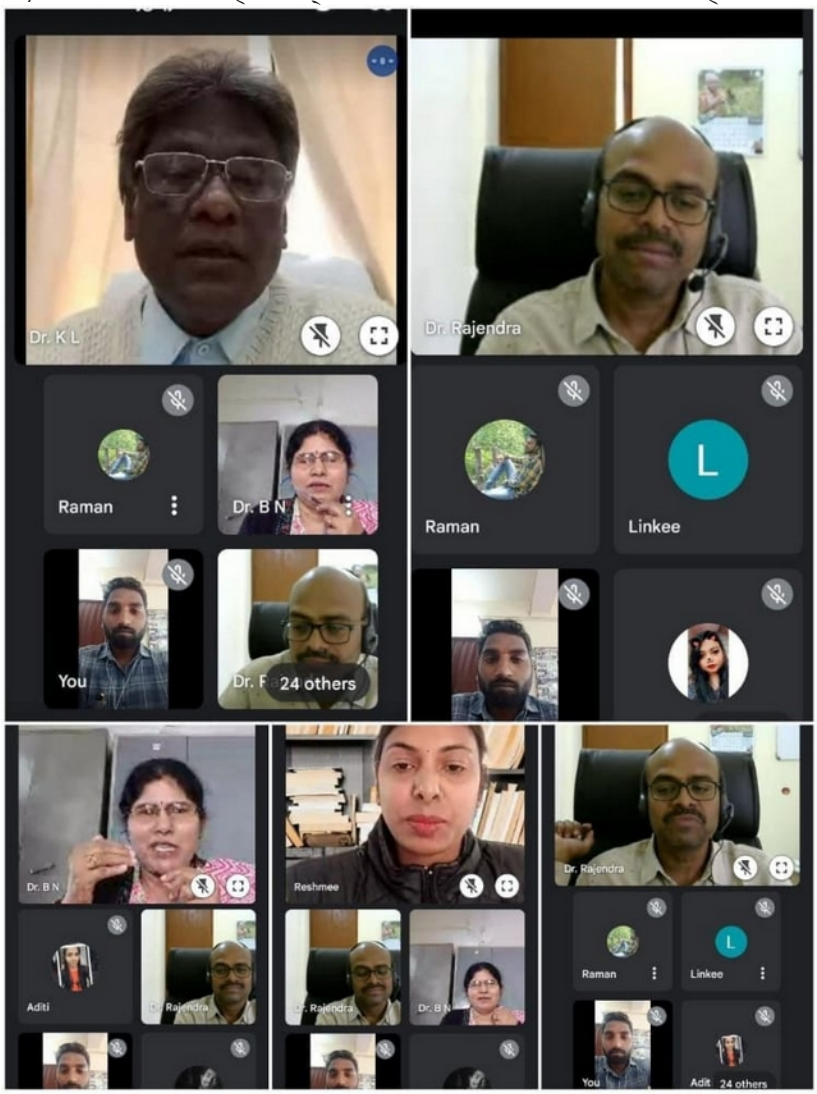

वेब पत्रकारिता रोजगार का सशक्त माध्यम - डॉ. मोहंती

राजनांदगांव(नांदगांव टाइम्स)। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. एल टाण्डेकर के निर्देशन एवं विभागाध्यक्ष डॉ. बी.एन.जागृत के मार्गदशर्न में पत्रकारिता विभाग द्वारा 03 फरवरी को एक दिवसीय ऑनलाईन अतिथि व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन ज्वेब पत्रकारिता एवं पत्रकारिता में कैरियरज्ज् विषय पर कार्यक्रम का आयोजन संपन्न हुआ। जिसमें मुख्य वक्ता कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय रायपुर छत्तीसगढ से डॉ राजेन्द्र मोहंती सहायक प्राध्यापक उपस्थित रहे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. टाण्डेकर ने कहा कि वेब पत्रकारिता के विषय में कहा कि भविष्य में इस क्षेत्र का बहुत अधिक महत्व है, पत्रकारिता समाज का दपर्ण है कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को मागदर्शन कर अध्ययन - अध्यापन के अलावा वास्तविकता से जोडना एवं उनके बौधिक विकास करना है। विभागाध्यक्ष डॉ. जागृत ने कहा कि वर्तमान समय में वेब पत्रकारिता का स्वरुप व्यापक है और पत्रकारिता के विद्यार्थियों को पत्रकारिता के क्षेत्र में रोजगार एवं स्वरोजगार के लिए वेब पत्रकारिता की भूमिका के बारे में जानना जरुरी है ताकी विद्यार्थी इस क्षेत्र में

रोजगार सृजन कर सके। मुख्य अतिथि डॉ. राजेन्द्र मोहंती ने जनसंचार के क्षेत्र प्रिंट, इलेक्ट्रानिक, वेब मीडिया है। वेब पत्रकारिता के क्षेत्र को व्यापक बताते हुए जिस तरह न्यूज पेपर, पत्र -.पत्रिकाओं में समाचारों का लेखन, चयन, प्रकाशन का कार्य होता है। इसी तरह इंटनेट और कम्प्यूटर की मदद से न्यूज वेबसाइट पर समाचारों का लेखन, चयन, संपादन और प्रकाशन का कार्य होता है, यह कार्य वेब पत्रकारिता कहलाता है। पाठक जो खबरें इंटरनेट की मदद से मोबाइल या कप्यूटर पर पडते है यह वेब पत्रकारिता ही है। उन्होने आगे बताया कि वर्तमान समय में वेब पत्रकारिता बहुत उभरता हुआ कैरियर है, पत्रकारिता के विद्यार्थियों को इसका महत्व बताते हुए कहा कि अगर आप इस क्षेत्र में रोजगार के लिए विद्यार्थियों को ब्लॉग, वेबसाईट सहित अन्य सोशल मीडिया माध्यमों के संबंध में जानकारी एवं उनके फायदे एवं उनसे होने वाले इकम सोर्स के संबंध में जाकनारी दी ।

समाज का दर्पण पाठक जो खबरें इंटरनेट की मदद से मोबाइल पढ़ते हैं वह वेब पत्रकारिता है

वेब पत्रकारिता रोजगार का सशक्त माध्यम: डा.मोहंती

[illegible]

विद्यार्थी ने अपने विचार रखे। ● आयोजन समिति

पत्रकारिता का उभरता हुआ कैरियर

[illegible]

दिनांक 10 फरवरी 2022

पत्रकारिता विभाग में अंतर्विभागीय व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन

पत्रकार को पूरे निष्पक्षता के साथ अपने दायित्वों का निर्वाहन करना चाहिए - डॉ. टाण्डेकर

राजनांदगांव। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. एल. टाण्डेकर के निर्देशन एवं विभागाध्यक्ष डॉ. बी.एन.जागृत के मार्गदर्शन में पत्रकारिता विभाग द्वारा 10 फरवरी को एक दिवसीय अंतर्विभागीय व्याख्यान "मीडिया विधि और संविधान " विषय पर कार्यक्रम का आयोजन संपन्न हुआ। जिसमें मुख्य वक्ता शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, विधि विभाग के सहायक प्राध्यापक, हेमंत नंदागौरी उपस्थित रहे।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. टाण्डेकर ने कहा कि पत्रकार को पूरे निष्पक्षता के साथ अपने दायित्वों का निर्वाहन करना चाहिए। अच्छा पत्रकार सच को सामने लाने का कार्य करता है, वह समाज का दर्पण है, साथ ही पत्रकारिता में रोजगार के अवसर के विषय पर भी बताया। समसामयिक घटना को सामने लाना एवं जन समस्याओं को उजागर करना पत्रकार का कार्य होता है। जिसका उसे निष्ठा पूर्वक निर्वाहन करना चाहिए।

विभागाध्यक्ष डॉ. जागृत ने कहा कि पत्रकार को अफवाहों से दूर रहकर मुद्दे की तह तक जाकर सही खबरों की खोजबीन की जानी चाहिए जिससे की समाज को सही घटना की जानकारी प्रदान हो साथ ही पत्रकारों को अपने अधिकारों के बारे में विस्तृत जानकारी होनी चाहिए।

मुख्य अतिथि प्रो. हेमंत नंदागौरी ने 'मीडिया विधि और संविधान' विषय से विद्यार्थियों को अवगत कराते हुए बताया कि एक पत्रकार को कानून एवं संविधान के बारे में जानकारी होनी चाहिए तभी वह किसी भी कार्य को उचित ढंग से कर पायेगा। उन्होंने विद्यार्थियों को मीडिया विधि एवं संविधान के अधिकारों को बताया साथ ही न्यायपालिका, कार्यपालिका, विधायिका एवं पत्रकारिता के बारे मे विस्तार से समझाया एवं उनके कार्य एवं शक्ति से अवगत कराया। संविधान से प्राप्त मौलिक अधिकार, मौलिक कर्तव्य एवं अनुच्छेदों, श्रमजीवी पत्रकार एवं पत्रकारों के अधिकारों विषय के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी तथा विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का संतोष पूर्व उत्तर दिया गया।

कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए प्राध्यापक अमितेश सोनकर ने आभार व्यक्त किया। इस दौरान प्राध्यापक रेशमी साहू, लोकेश शर्मा सहित पत्रकारिता के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

निष्पक्षता के साथ दायित्वों का निर्वाहन करें : डा. टांडेकर

व्याख्यान में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल हुए। ● नईदुनिया

राजनांदगांव (वि.)। विग्विजय महाविद्यालय के पत्रकारिता विभाग द्वारा एक विक्सीय अंतर्विभागीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान का विषय मीडिया विधि और संविधान था। मुख्यवक्ता विग्विजय महाविद्यालय विधि विभाग के सहायक प्राध्यापक हेमंत नंवागीरी उपस्थित थे। प्राचार्य डा.केएल टांडेकर ने कहा कि पत्रकार को पूरे निष्पक्षता के साथ अपने दायित्वों का निर्वाहन करना चाहिए। अच्छा पत्रकार सच को सामने लाने का कार्य करता है, वह समाज का दर्पण है। थ ही पत्रकारिता में रोजगार के अवसर के विषय पर भी बताया। समसामयिक घटना को सामने लाना एवं जन समस्याओं को उजागर करना पत्रकार का कार्य होता है। जिसका उसे निष्ठा पूर्वक निर्वाहन करना चाहिए।

विभागाध्यक्ष डा.जागृत ने कहा कि पत्रकार को अफवाहों से दूर रहकर मुद्दे की तह तक जाकर सही खबरों की खोजवीन की जानी चाहिए। जिससे की समाज को सही घटना की जानकारी प्रदान हो साथ ही पत्रकारों को अपने अधिकारों के बारे में विस्तृत जानकारी होनी चाहिए। प्रोफेसर हेमंत नंवागीरी ने मीडिया विधि और संविधान विषय से विद्यार्थियों को अवगत कराते हुए बताया कि एक पत्रकार को कानून एवं संविधान के बारे में जानकारी होनी चाहिए तभी वह किसी भी कार्य को उचित ढंग से कर पाएगा। उन्होंने विद्यार्थियों को मीडिया विधि एवं संविधान के अधिकारों को बताया। साथ ही न्यायपालिका, कार्यपालिका, विधायिका एवं पत्रकारिता के बारे मे विस्तार से समझाया एवं उनके कार्य एवं शक्ति से अवगत कराया। संविधान से प्राप्त मौलिक अधिकार, मौलिक कर्तव्य एवं अनुच्छेदों, श्रमजीवी पत्रकार एवं पत्रकारों के अधिकारों विषय के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी।